यश

ठाकुर प्रसाद

बड़ा रंगीन Code - 06

मूल्य- 70/- पंचाङ्ग

जनवरी 2025

जन-जन की पीड़ा हरते थे, देकर नित नूतन मंगल विचार।
हे श्रेष्ठ प्रकाशक वर तुमको, हम नमन कर रहें बार-बार।।

उनकी मधुर स्मृति का दीपक, साहित्य द्वार पर धरता हूँ।
ठाकुर प्रसाद की पुण्य स्मृति में, तिथि पत्र समर्पित करता हूँ।।

दूध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अखबार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

आकाश में बदली रहेगी। हवाओं की तेजी कहीं-कहीं बूंदा-बांदी के साथ तेज वर्षा होने से मौसम परिवर्तन हो जायेगा। वायु संचार में वृद्धि हो कर शीत का प्रकोप बढ़ जायेगा। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल में शीतलहर चलेगी।

विक्रम संवत् 2081

पौष शुक्ल 2 से माघ शुक्ल 2 तक। तारीख 14 जनवरी से माघ प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय पौष 11 से राष्ट्रीय माघ 30 तक। ता.21 जनवरी से राष्ट्रीय माघ प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1432

फसली पौष 17 से फसली माघ 18 तक। ता.14 जनवरी से फसली माघ माह प्रारम्भ।।

JANUARY

इस्लामी हिजरी 1446

जमादि उस्सानी 29 से रज्जब 30 तक। तारीख 2 जनवरी से रज्जब माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1431

बंगला पौष 17 से बंगला माघ 17 तक। ता.15 जनवरी से बंगला माघ माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1145

नेपाली पौष 17 नेपाली माघ 18 तक। ता.21 जनवरी से नेपाली माघ माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
16	गुरु.	मघा
17	शुक्र.	मघा
18	शनि.	उ.फा.
20	सोम.	हस्त
23	गुरु.	अनुराधा
25	शनि.	ज्येष्ठा
26	रवि.	मूल

मूल विचार- रेवती-ता.६ को घं.१९ मि.६ से ता.७ को घं.१७ मि.४९ बजे तक। अश्विनी-ता.७ को घं.१७ मि.५० से ता.८ को घं.१६ मि.२९ तक। आश्लेषा-ता.१५ को घं.१०मि.२७ से ता.१६ को घं.११ मि.१६ बजे तक। मघा-ता.१६ को घ.११ मि.१६ से ता.१७ को घं.१२ मि.४४ बजे तक। ज्येष्ठा-ता.२५ को घं.७ मि.७ से ता.२६ को घं.८ मि.२५ बजे तक। मूल- ता.२७ को घं.८ मि.२५ से ता.२८ को घं.९ मि.२ बजे तक।

रवि SUN

- **5** — पौष शुक्ल 6 घं.20/15, मीन चंद्र 14/34 पू.भा.20/17; राष्ट्रीय पौष 15 रज्जब 4, बंगला 21 नेपाली 21
- **12** — पौष शुक्ल 14 घं.29/03, मिथुन का चंद्र 23/54 मृग.11/24; राष्ट्रीय पौष 22 रज्जब 11, बंगला 28 नेपाली 28
- **19** — माघ कृष्ण 5 घं.07/31, कन्या का चंद्र उ.षा.17/30; राष्ट्रीय पौष 29 रज्जब 18, बंगला 5 नेपाली 6
- **26** — माघ कृष्ण 12 घं.20/55, धनु चंद्र 8/25 ज्येष्ठा 8/25;   गणतन्त्र दिवस; राष्ट्रीय माघ 6 रज्जब 25, बंगला 12 नेपाली 13

सोम MON

- **6** — पौष शुक्ल 7 घं.18/23, मीन का चंद्र उ.भा.19/06; राष्ट्रीय पौष 16 रज्जब 5, बंगला 22 नेपाली 22
- **13** — पौष शुक्ल 15 घं.27/56, कर्क चंद्र 28/19 आर्द्रा 10/37; पूर्णिमा व्रत; राष्ट्रीय पौष 23, रज्जब 12 बंगला 29 नेपाली 29
- **20** — माघ कृष्ण 6 घं.09/58, कन्या का चंद्र हस्त 20/29; राष्ट्रीय पौष 30 रज्जब 19, बंगला 6 नेपाली 7
- **27** — माघ कृष्ण 13 घं.20/34, धनु का चंद्र मूल 09/02; प्रदोष व्रत; राष्ट्रीय माघ 7, रज्जब 26 बंगला 13 नेपाली 14

मंगल TUE

- **7** — पौष शुक्ल 8 घं.16/27, मेष चंद्र 17/49 रेवती 17/49; राष्ट्रीय पौष 17 रज्जब 6, बंगला 23 नेपाली 23
- **14** — माघ कृष्ण 1 घं.27/21, कर्क का चंद्र पुनर्वसु 10/16;   मकर संक्रान्ति; राष्ट्रीय पौष 24 रज्जब 13, बंगला 30 नेपाली 1
- **21** — माघ कृष्ण 7 घं.12/39, तुला चंद्र 10/3 चित्रा 23/36; राष्ट्रीय माघ 1 रज्जब 20, बंगला 7 नेपाली 8
- **28** — माघ कृष्ण 14 घं.19/36, मकर चंद्र 14/51 पू.षा.8/58; राष्ट्रीय माघ 8 रज्जब 27, बंगला 14 नेपाली 15

बुध WED

- **1** — पौष शुक्ल 2 घं.26/24, मकर चंद्र 6/25 उ.षा.23/45; चन्द्रदर्शन; राष्ट्रीय पौष 11, जमादि उ.29 बंगला 17 नेपाली 17
- **8** — पौष शुक्ल 9 घं.14/26, मेष का चंद्र वृश्चिक 16/29; राष्ट्रीय पौष 18 रज्जब 7, बंगला 24 नेपाली 24
- **15** — माघ कृष्ण 2 घं.27/23, कर्क का चंद्र पुष्य 10/27; राष्ट्रीय पौष 25 रज्जब 14, बंगला 1 नेपाली 2
- **22** — माघ कृष्ण 8 घं.15/18, तुला का चंद्र स्वाति 26/33; राष्ट्रीय माघ 2 रज्जब 21, बंगला 8 नेपाली 9
- **29** — माघ कृष्ण 30 घं.18/05, मकर का चंद्र उ.षा.08/20; अमावस्या; राष्ट्रीय माघ 9, रज्जब 28 बंगला 15 नेपाली 16

गुरु THU

- **2** — पौष शुक्ल 3 घं.25/08, मकर का चंद्र श्रवण 23/10; राष्ट्रीय पौष 12 रज्जब 1, बंगला 18 नेपाली 18
- **9** — पौष शुक्ल 10 घं.12/22, वृष चंद्र 20/46 भरणी 15/06; राष्ट्रीय पौष 19 रज्जब 8, बंगला 25 नेपाली 25
- **16** — माघ कृष्ण 3 घं.28/06, सिंह चंद्र 11/16 आ.11/16; राष्ट्रीय पौष 26 रज्जब 15, बंगला 2 नेपाली 3
- **23** — माघ कृष्ण 9 घं.17/37, वृश्चि.चंद्र 22/32 विशा.29/00;   नेताजी जयन्ती; राष्ट्रीय माघ 3 रज्जब 22, बंगला 9 नेपाली 10
- **30** — माघ शुक्ल 1 घं.16/01, कुंभ चंद्र 18/34 श्रवण 07/15 धनि.29/50; राष्ट्रीय माघ 10 रज्जब 29, बंगला 16 नेपाली 17

शुक्र FRI

- **3** — पौष शुक्ल 4 घं.23/39, कुंभ चंद्र 10/47 धनि.22/21; राष्ट्रीय पौष 13 रज्जब 2, बंगला 19 नेपाली 19
- **10** — पौष शुक्ल 11 घं.10/19, वृष का चंद्र कृत्तिका 13/45; एकादशी व्रत; राष्ट्रीय पौष 20, रज्जब 9 बंगला 26 नेपाली 26
- **17** — माघ कृष्ण 4 घं.29/30, सिंह का चंद्र मघा 12/44;   गणेश चतुर्थी; राष्ट्रीय पौष 27 रज्जब 16, बंगला 3 नेपाली 4
- **24** — माघ कृष्ण 10 घं.19/25, वृश्चि.का चंद्र अनुराधा 30/00; राष्ट्रीय माघ 4 रज्जब 23, बंगला 10 नेपाली 11
- **31** — माघ शुक्ल 2 घं.13/59, कुंभ का चंद्र शत.28/14; राष्ट्रीय माघ 11 रज्जब 30, बंगला 17 नेपाली 18

शनि SAT

- **4** — पौष शुक्ल 5 घं.22/01, कुंभ का चंद्र शतभिषा 21/23; राष्ट्रीय पौष 14 रज्जब 3, बंगला 20 नेपाली 20
- **11** — पौष शुक्ल 12/13 घं.08/21 30/33, मिथुन चंद्र 23/54 रो.12/29; प्रदोष व्रत; राष्ट्रीय पौष 21, रज्जब 10 बंगला 27 नेपाली 27
- **18** — माघ कृष्ण 5 घं.30/00, कन्या चंद्र 21/28 पू.फा.14/41; राष्ट्रीय पौष 28 रज्जब 17, बंगला 4 नेपाली 5
- **25** — माघ कृष्ण 11 घं.20/32, वृश्चि.का चंद्र अनुराधा 07/07; एकादशी व्रत; राष्ट्रीय माघ 5, रज्जब 24 बंगला 11 नेपाली 12

पंचक- ता.३ को पंचक प्रारम्भ घं.१० मि.४७ बजे से ता.७ को पंचक समाप्त घं.१७ मि.४९ बजे तक। ता.३० को पंचक प्रारम्भ घं.१८ मि.३४ बजे तक।

व्रत-त्यौहार

- 1 बुध. ईसाई नववर्ष आरम्भ,चन्द्रदर्शन
- 3 शुक्र. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
- 6 सोम. उभयसप्तमी,गुरुगोविन्द सिंहज.
- 7 मंगल. महाभद्रा अष्टमी,शाकम्भरी यात्र
- 10 शुक्र. पुत्रदा एकादशी व्रत
- 11 शनि. शनि प्रदोष व्रत
- 12 रवि. ईसान व्रत
- 13 सोम. स्नानदान-व्रत की पूर्णिमा, माघ स्नान प्रारम्भ,शाकम्बरी जयंती।
- 14 मंगल. मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) हजरत अली जन्मदिवस
- 16 गुरु. सौभाग्य सुन्दरी व्रत
- 17 शुक्र. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
- 21 मंगल. स्वामी विवेकानन्द जयंती
- 23 गुरु. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती
- 25 शनि. षट्तिला एकादशी व्रत
- 26 रवि. भारतीय गणतन्त्र दिवस
- 27 सोम. सोम प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
- 28 मंगल. शब-ऐ-मिराज
- 29 बुध. स्नानदान श्राद्ध की अमावस्या, मौनी अमावस्या
- 30 गुरु. श्रीवल्लभ जयंती
- 31 शुक्र. चन्द्रदर्शन

राशि-फल

- मेष- भाग दौड़ की अधिकता, रोजगार व व्यापार सामान्य, वाहन सुख।
- वृष- स्वास्थ्य लाभ, आरोग्य वृद्धि, अल्प श्रम से लाभ, धर्म में रुचि।
- मिथुन- रुके कार्यों में सफलता, व्यापारिक लाभ, धार्मिक यात्रा, द्रव्य लाभ।
- कर्क- मानसिक उलझने, पारिवारिक सुख शान्ति, भौतिक सुख सुविधा।
- सिंह- व्यापारिक क्षेत्रों में विकास, वाणी व क्रोध पर नियंत्रण, वाद-विवाद।
- कन्या- मातृसुख में कमी, शारीरिक कष्ट, शत्रुओं से विजय, कार्य में प्रगति।
- तुला- रोजी-रोजगार में लाभ, बुद्धि भ्रम, व्यय की अधिकता, मान-सम्मान।
- वृश्चिक-धन लाभ, आर्थिक स्थिति सामान्य शारीरिक सुख, पुरातत्व से लाभ।
- धनु- स्वजनों से सहयोग, कर्तव्यनिष्ठ जीवन निर्वाह, कार्यों में सफलता।
- मकर- भूमि-भवन का लाभ, माता के प्रति चिन्ता, बन्धुओं से निरसता।
- कुम्भ- धार्मिक कार्यों में रूचि, वाणी पर नियन्त्रण रखें,पारिवारिक सुख।
- मीन- शारीरिक सुख, सामाजिक लाभ, रुके कार्य पूर्ण, शत्रुओं पर विजय।

तेजी-मंदी

गेंहू, जौ, चना, मंदा होगा। अलसी, सरसो, रुई कोयला, पत्थर, ज्वार, तिल, गुड़, के भाव में मंदी, अरहर, मूंग, मसूर, उड़द एवं सोना चांदी भाव सम, खोपरा, अरहर एवं सोना-चांदी भाव सम। मसाले, जस्ता, पीतल, कपास,छुहारा, हल्दी किराने की वस्तुओं में उतार-चढ़ाव एवं शेयर बाजार में भी उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
सूर्योदय	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49
सूर्यास्त	5/15	5/16	5/16	5/17	5/18	5/18	5/19	5/20	5/20	5/21	5/22	5/23	5/23	5/24	5/25	5/26

दिनांक	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6/49	6/49	6/49	6/49	6/49	6/48	6/48	6/48	6/48	6/47	6/47	6/47	6/46	6/46	6/46
सूर्यास्त	5/26	5/27	5/28	5/29	5/29	5/30	5/31	5/32	5/33	5/34	5/34	5/35	5/35	5/35	5/36

दिसम्बर 2024

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10	17	24	31
बुध	4	11	18	बड़ा दिन	
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि	7	14	21	28	

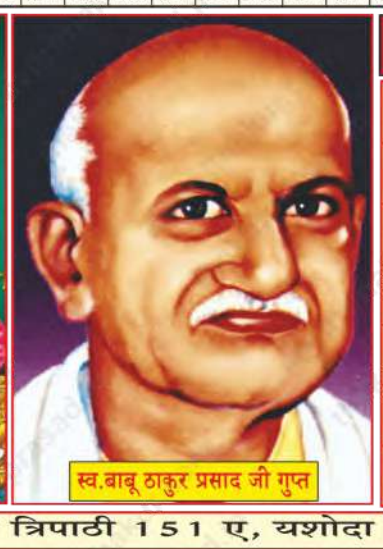

फरवरी 2025

रवि		9	16	23
सोम	3	10	17	24
मंगल	4	11	18	25
बुध	5	रविदास जयंती	19	महा शिवरात्रि
गुरु	6	13	20	27
शुक्र	7	14	21	28
शनि	1	8	15	22

प्रणेता-स्व.डॉ.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी 'निर्भय' सम्पादक-दिव्या त्रिपाठी 151 ए, यशोदा नगर, कानपुर-11 Mob. 09451220392

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी। Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुकसेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

www.savitrithakur.com

।।श्रीः।।

स्वर्गीय बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

एक संस्मरण

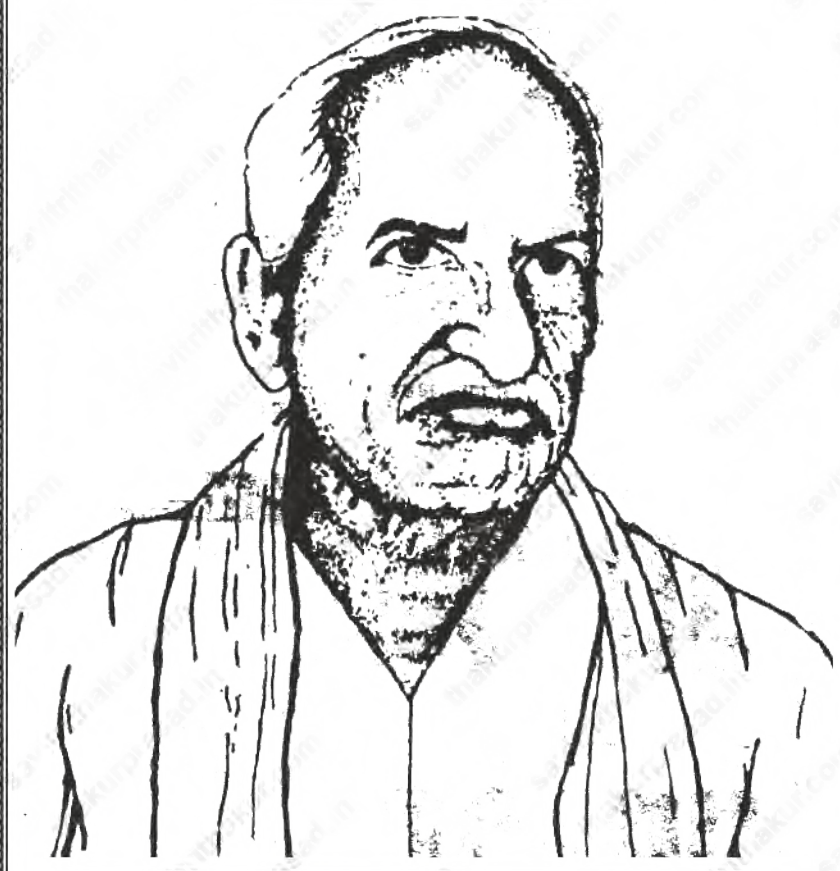

धर्मप्राण स्वर्गीय बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

छप्पय

बा रिज वंश प्रशंस,
हंस समं जानहु नीके,
बू झि विरद वश भए,
सुजन मन मानस फीकें,
ठा नी मन में जौन,
ठान पारपूरन कीन्हीं।।
कु शल कार्य रत विरत,
कबहुँ दिन रात न चीन्ही।
रस सानि बानि बोले सदा
नीरसता नियरे नही।
प्र ति मूर्ति प्रेमसाकार हित,
लखि न परै उपमा कही।१।।
सा धु सुजन कोविद-कविन्द,
गो द्विज हितकारी।
द या धाम अभिराम,
प्रेम निधि पर उपकारी।।
जी धन ज्योति जगाय,
गाय गुण गहन राम के।
गु म राही नहिं पुण्य,
पथिक थे राम धाम के।।
प ल एक नाहिं बिसरत हमें,
सौम्य मूर्ति वह आपकी।
त म तोम विनाशन दीन हित,
शमन शोक सन्ताप की।।२।।
बु ध जन के विश्राम,
भोज भाषा उद्धारक।
क लित ललित साहित्य,
प्रकाशक विमल विचारक।
से वत सुख परिवार,
पुण्य पादपक नीचे।
ल गन मगन श्रम स्रोवत
स्वेद सीकर सो सोंचे।।
र त रहे सदा निज काम में,
नाम अमर करके गये।
बसु सुवन सत्य सामीप्य पा,
रामकृष्ण, निर्भय भये।।३।।

दोहा

पादप कल्प कुटुम्ब को, हों न कदापि कलेश।।
विभव बल्लरी आपकी, विकसित रहे हमेश।।

डा.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी
'निर्भय' तंत्राचार्य प्रणेता एवं सम्पादक

औद्योगिक संस्थानों को समुन्नति के सन्दर्भ में जिस प्रकार, यशस्वी उद्योपतियों का नाम अविस्मरणिय है, ठीक उसी प्रकार जन-साहित्य के प्रकाशन से सम्बन्धित प्रशस्त विमल व्यवसाय में स्व.बाबू ठाकुर प्रसादजी गुप्त का नाम शिक्षित समुदाय के हृदयपटल पर अंकित है, आपकी जनभाषा एवं सत्यसाहित्य की सराहनीय साधना द्वारा हिन्दी जगत् इस प्रकार उपकृत है कि स्वप्न में भी आपके नाम को विस्मृत नहीं किया जा सकता हैं।

भोजपुरी भाषा के सरस प्रकाशन को जन जन तक पहुंचाने का एकमात्र श्रेय बाबू साहब को ही है, इनके समक्ष सम्पूर्ण भारत का कोई दूसरा भोजपुरी साहित्य का प्रकाशक ही दृष्टिगोचर नहीं होता, जिसने इस क्षेत्र में स्व.बाबू साहब को यदि भोजपुरी भाषा का समुद्धारक कहा जाय तो सम्भवत: कोई अतिशयोक्ति न होगी, यह ध्रुव सत्य है। इसी कारण बिहार प्रान्त का बच्चा-बच्चा आपके नाम से सुपरिचित है। व्यावहारिकता, उदारता एवं सौजन्यता की तो आप प्रतिमूर्ति ही थे।

आप अपने पीछे पुत्रों एवं पौत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गये। आपही के पूर्व प्रशिक्षण एवं निर्देशानुसार आपके द्वारा संस्थापित व्यापारिक संस्थान को उत्तराधिकारी कुशलता के साथ संचालित कर रहे हैं। हम इस परिवार तथा संस्थान की सुख समृद्धि की सम्वृद्धि हेतु जगज्जनी मां से अनवतर प्रार्थना करते हैं।

निर्भय सम्पादक -

स्व.पं.श्रीगणेशदत्त पाठक ज्योतिषाचार्य ज्योतिष

विभागाध्यक्ष गोयनका संस्कृत महाविद्यालय

स्व.पं.जीवनाथ ओझा, पी.एच.डी.एम.ए.बी.

टी.प्रणेता महावीर पञ्चाङ्ग

स्व.पं.दौलतराम गौड़ वेदाचार्य

स्व.श्रीजगजीवनदास जी गुप्त

ज्योतिषाचार्य, रचयिता ज्योतिषरहस्य, दशफलविचार एवं सम्पादक चिन्ताहरण जंत्री।

ज्यो.शास्त्री-तंत्राचार्य,डा.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी निर्भय प्रणेता ठाकुर प्रसाद कलेण्डर, मंत्र-सागर आदि।

स्व.पं.श्रीलक्ष्मण पाण्डेय, ज्योतिषाचार्य,
प्रणेता श्रीशंकर पंचाग
ज्योतिष पं.कैलाशनाथ उपाध्याय
ब्रह्मघाट,वाराणसी-२२१००१
पं.सुशील कुमार त्रिपाठी 'अभय'
पं.श्रीविजय कुमार त्रिपाठी

कैलेण्डर के पृष्ठ भाग की विषय सूची

जनवरी- कैलेण्डर देखने को विधि, चौघड़िया मुहूर्त्त, यात्रा मुहूर्त विचार।
फरवरी- सन् २०२५ का संवत्सर फल सभी अधिकारियों का क्रम से फल, विन्ध्य से दक्षिण निवासियों का क्रम से फल, विन्ध्य से दक्षिण निवासियों के लिये अष्टोत्तरी मतानुसार लाभ-खर्च का विवरण, स्वप्न फल-विचार, नवग्रह शान्ति व धन-प्राप्ति।
मार्च- सन् २०२५ ई. में शनि की साढ़े साती और ढैया, बारहों राशियों के लिए शनि का संक्षिप्त गोचर फल, राहु तथा केतु।
अप्रैल- होड़ा चक्र
मई- भद्रा पंचक, मूल विचार
जून- कालसर्प योग : दुष्प्रभाव एवं शान्ति के उपाय सन् २०२५ का वार्षिक राशिफल
जुलाई- सन् २०२५ ई. के विवाह मुहूर्त्त, वाग्दान मुहूर्त्त, वधू-प्रवेश मुहूर्त्त, द्विरागमन मुहूर्त्त, प्रसूति का स्नान मुहूर्त्त नामकरण, अन्नप्राशन मुहूर्त्त ।
अगस्त- कर्णवेध मुहूर्त्त, चौलमुण्डन मुहूर्त्त, अक्षरारम्भ मुहूर्त्त, विद्यारम्भ मुहूर्त्त, गृहारम्भ मुहूर्त्त, नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त, जीर्णादि गृह प्रवेश मुहूर्त्त, कूपारम्भ मुहूर्त्त, हलप्रवहण विजोप्ति ।
सितम्बर- विपणी व्यापार, वाहनादि खरिदने का मुहूर्त्त, वर्षा के नक्षत्र एवं उनके फल।
अक्टूबर- रेलवे समय सारिणी
नवम्बर- सन् २०२५ ई. जनवरी से दिसम्बर तक के व्रत-त्योहार तथा जयन्ती आदि।
दिसम्बर- सन् २०२५ ई. में भारत, भारत सरकार, प्रधानमंत्री तथा विभिन्न दलों की स्थिति व भविष्य।

कैलेण्डर देखने की विधि

इस महीने के मुख पर बीच में अंग्रेजी महीने का नाम ऊपर लिखा रहता है। बाँई तरफ विक्रम संवत, माह, शालिवाहन शार्के व माह एवं दाहिनी तरफ इस्लामी हिजरी सन् व माह बंगला व नेपाली संवत मास दिया गया है। रविवार से शनिवार तक प्रत्येक वार के सामने अंग्रेजी तारीख बड़े अक्षर में लिखी है। प्रत्येक तारीख के कोष्ठक में मास, पक्ष, तिथि नक्षत्र का समाप्ति समय भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम से, उसी कोष्ठक में राष्ट्रीय मास-तिथि, मुस्लिम तिथि, बंगला तिथि, नेपाली तिथि, एवं उस रोज का तात्कालिक चन्द्रमा जिस राशि में है लिखा है। हर महीने ये जितने मूल नक्षत्र है मूल विचार शीर्षक से किस तारीख को कौन सा मूल कितने बजे से कितने बजे तक है स्पष्ट लिखा है। एक माह पीछे और एक माह आगे कैलेण्डर व दैनिक कार्यक्रम विवरण नीचे दिया गया है दाहिनी ओर व्रत-त्योहार, राशिफल, तेजी मन्दी व आकाशी लक्षण तथा बाँयी तरफ माह की प्रत्येक तारीख को सुबह शाम, दूध का विवरण, अखबार, कपड़ा धुलाई व आवश्यक कार्यक्रम विषय दिये गये हैं। जो सब एक साथ एक पंचांग में भी नही उपलब्ध है। अत: हिन्दी भाषा लोगों कोयह पंचांग एक ज्योतिषी की भाँति सहयोग करता है।

उदाहरण—जनवरी वाले पेज पर ता.१ को कोष्ठक देंखे। ऊपर पौष शुक्ल २ घं.२६/२४ छपा है। इसका अर्थ है बुधवार १ जनवरी को द्वितीया तिथि रहेगी। इसके बाद तृतीया तिथि प्रारम्भ होगी। बायीं तरफ बंगला १७ नेपाली १७ का अर्थ है। बंगला तारीख १७ तथा नेपाली गते १७ होगी। दाहिनी तरफ रा.पौष ११ एवं जमादि उस्सानी २९ छपा है। इसका अर्थ है राष्ट्रीय पौष ११ एवं मुस्लिम जमादि उस्सानी की तारीख २९ है। नीचे मकर का चन्द्र छपा है का अर्थ है कि चन्द्र इस दिन मकर घं.६/२५ में रहेगा तथा उत्तराषाढ़ा नक्षत्र घं.२३/४५ पर समाप्त हो जायेगा। और श्रवण नक्षत्र लगेगा।

यात्रा मुहूर्त विचार

यात्रामुहूर्त के लिए दिशाशूल, नक्षत्रशूल, समयशूल, भद्रा,योगिनी तिथि नक्षत्र इत्यादि का विचार किया जाता है। शुभ तिथि-भद्रादि दोषरहित २,३,५,७,१०,११,१३ तथा कृष्ण पक्ष को प्रतपिदा। शुभ नक्षत्र-अश्विनी,मृगशिरा, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती। मध्यम नक्षत्र- रोहिणे तीनो उत्तरा, तीनो पूर्वाषाढ़ा, ज्येष्ठा शतभिषा।

दिशाशूल

सोम शनीचर पूरब न चालू। मंगल बुध उत्तर दिशि कालू रवि शुक्र जो पश्चिम जाय। हानि होय पथ सुख नहिं पाय। बीफै दक्खिन करे पयाना। फिर नहि समझे ताको आना।

दिशाशूल नक्षत्र तथा योगिनि वास का चक्र

पूरब,पश्चिम,उत्तर दक्षिण चारो दिशाओं को सब जानते है, लेकिन इनके बीच के अन्य दिशायें सबको स्मरण नहीं रहती। अत: आठो दिशाओं तथा उनके नक्षत्र-शूल, दिशाशूल और योगिनी वास तिथियों को सरलता पूर्वक तत्काल जान लेने के लिए हम उपर चक्र दे रहे हैं। इसमें प्रत्येक दिशा के नीचे पहले नक्षत्र का नाम है फिर वार तथा चारों के अन्त में ये तिथियां दी हुई है जिन तिथियों का उस दिशा योगिनी का वास होता है, उन तिथियों का उस दिशा में जाने से वह स्वभावत: यात्रा के सम्मुख पड़ेगी और सम्मुख तथा दाहिने योगिनी अशुभ रहती है। अत: जिन तिथियों को योगिनी सम्मुख तथा दाहिने पड़ उन तिथियों को तथा जिस दिशा के नीचे जो नक्षत्र और वार लिखा है उन नक्षत्रों तथा वारों में, उस दिशा को ओर यात्रा न करनी चाहिए **समयशूल-** उषाकाल में पूरब को, गोधूलि में पश्चिम को, अर्धरात्री में उत्र को ओर, मध्याह्न काल में दक्षिण काल में दक्षिण को नहीं जाना चाहिए। **दक्षिण यात्रा का निषेध-** कुम्भ और मीन के चन्द्रमा के अर्थात् पंचक में दक्षिण कदापि न जाय। पंचक तथा चन्द्रमा की राशि का उल्लेख प्रतिमास को तिथि,नक्षत्र के साथ किया गया है। वही देखें। **चन्द्रमा की दिशा और शुभाशुभफल-** मेष सिंह धनु, पूरब चन्द्र, दक्षिण कन्या, वृष मकरन्दा। पश्चिम कुम्भ तुलायी मिथुन। उत्तर कर्कट वृश्चिक मीना। अर्थात् मेष,सिंह और धनु राशि का चन्द्रमा पूर्व में वृष कन्या और मकर राशि का दक्षिण में, मिथुन, तुला और कुम्भ का पश्चिम में, कर्क वृश्चिक मीन का चन्द्रमा उत्तर में रहता है। यात्रा में चन्द्रमा सम्मुख या दाहिने शुभ होता है। पीछे होने से धन हानि और बायी ओर होने से मरण तुल्य कष्ट होता है। **यात्रा शुभाशुभ लग्न-** कुम्भ या कुम्भ के नवांशक में यात्रा कदापि न करें। शुभ लग्न वह है, जिसमें १,४,८,९ स्थानों में शुभ ग्रह और ३,६,११ में पाप ग्रह है। अशुभ लग्न यह है जिसमें १,६,१२ वे चन्द्रमा १०वें शनि ७वें शुक्र,१२,६,८ वे लग्न हो। **प्रस्थान विधान-** यदि किन्हीं जरुरी कारणों से यात्रा के मुहूर्त में न जा सकें तो उसी मुहूर्त में ब्राह्मण जनेऊ,माला, क्षत्रिय-शस्त्र, वैश्य-शहद,घी, शूत्र फल को अपने वस्त्र में बांधकर किसी के घर में व नगर से बाहर जाने कि दिशा में प्रस्थान करे। उपयुर्क्त चीजों के बजाय मनु की सबसे प्यारी वस्तु को भी प्रस्था में रख सकते हैं। **यात्रा के पहले त्याज्य वस्तुएं-** यात्रा के तीन दिन पहले, दूध, पांच दिन पहले हजामत, तीन दिन पहले तेल, सात दिन पहले मैथुन त्याग देना चाहिए। यदि इतना न हो सके तो कम से कम एक दिन पहले तो ऊपर को सब त्याज्य वस्तुओं को अवश्य ही छोड़ देना चाहिए।

सांकेतिक अक्षरों का वास्तविक अर्थ

अ - अश्विनी	आ.- आर्द्रा	म. - मघा	अ. - अनुराधा	श्र. - श्रवण
भ. - भरणी	पुन.- पुनर्वसु	ह. - हस्त	ज्ये.- ज्येष्ठा	ध. - धनिष्ठा
कृ. - कृत्तिका	पु. - पुष्य	चि. - चित्रा	मू. - मूल	श. - शतभिषा
रो. - रोहिणी	श्ले. - आश्लेषा	स्वा.- स्वाती	पू.षा.-पूर्वाषाढ़ा	पू.भा.- पूर्वाभाद्रपद
मृ. - मृगशिरा		वि. - विशाखा	उ.षा.-उत्तराषाढ़ा	उ.भा. - उत्तराभाद्रपद

चौघड़िया मुहूर्त

शीघ्रता में कोई भी यात्रा मुहूर्त न बनता हो या एकाएक यात्रा करने का मौका आ पड़े तो उस अवसर के लिए विशेषरुप से चौघड़िया मुहूर्त का उपयोग है, लेकिन अब तोप्राय: हर आवश्यक शुभ कार्यारम्भ के लिए चौघड़िया मुहूर्त्त ने जनता के हृदय पर अपना सिक्का जमा लिया है।

दिन और रात के आठ-आठ बराबर हिस्से का एक चौघड़िया मुहूर्त होता है। जब दिन और रात बराबर यानि १२ घण्टे का दिन और १२ घंटे का रात होती है तब एक चौघड़िया मुहूर्त १।। घण्टा या पौने चार घटी का होता है, इसलिए इसका नाम चौघड़िया मुहूर्त पड़ा। रविवार, सोमवार आदि प्रत्येक बार सूर्योदय से शुरु होकर अगले सूर्योदय पर समाप्त होता है। एवं उसी समय से अगला वार आरम्भ हो जाता है। प्रत्येक वार के सूर्योदय में सूर्यास्त तक का समय उस बार का दिनमान और सूर्यास्त से अग्रिम सूर्योदय का समय रात्रिमान होता है। दिनमान और रात्रिमान न्यूनाधिक भी (यानि दिन रात छोटे-बड़े) हुआ करते हैं पर वार हमेशा २४ घंटा यानि ६० घटी का होता है अर्थात् दिनमान और रात्रिमान जाना हो, उस रोज के दिनमान को ६० घटी में घटा देने पर रात्रि मान निकल आयेगा। अब जिस रात के दिन में यात्रा करनी हो तो उस रोज के दिनमान के अष्टमांश घटीपल का घण्टा मिनट बनकार उस रोज के सूर्योदय समय में जोड़ने जावे तो क्रमश: उस दिन को आठ चौघड़िया के समय ज्ञात होते जायेगें। उन आठो चौघड़िया में से कौन सा ग्राह्य और त्याज्य है, यह उपर दिन को चौघड़िया के च्कर में उस दिन के वार के सामने खाने में देखकर जान लें। इसी प्रकार जिस रोज रात्रि में यात्रा करनी हो तो उस रोज के रात्रिमान के अष्टमांस घटी-पल का घंटा मिनट बनाकर सूर्यास्त समय में जोड़े जाने से क्रमश: रात की प्रत्येक चौघड़िया का समय ज्ञात हो जायेगा और उनका शुभाशुभत्व उपर्युक्त रात को चौघड़िया के चक्र में वार के सामने खाने देखकर ज्ञात कर लें। श्रेष्ठ समय शुभ, चर, अमृत और लाभ की चौघड़िया का है। अशुभ, समय उद्वेग रोग और काल का होता है, इनको त्याग देना चाहिए। २।। घटी का १ घंटा तथा २।। पल का एक मिनट होता है। अत: घटी पल का घंटा-मिनट बनाने के लिए उसमें ५ का भाग देकर लब्धि को दूना कर दें।

दिन की चौघड़िया

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
दूसरी चौ.	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
तीसरी चौ.	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
चौथी चौ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
पांचवीं चौ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
छठवीं चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
सातवीं चौ.	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
आठवीं चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात की चौघड़िया

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
दूसरी चौ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
तीसरी चौ.	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
चौथी चौ.	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
पांचवीं चौ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
छठवीं चौ.	लाभ	शुभ	वर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
सातवीं चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
आठवीं चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

नोट—हमारे संस्थान में सभी प्रकार की समस्यओं का समाधान जन्म-पत्रिका, हस्तरेखा व अंक ज्योतिष के माध्यम से किया जाता है। जो महानुभाव, किसी भी प्रकार की समस्या से पीड़ित हैं। वह ज्योतिष के माध्यम से समाधान प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान में विभिन्न प्रकार के अनुष्ठान जैसे—पीताम्बरा (बंगलामुखी जप), महामृत्युञ्जय, प्रत्यगिंरा, रुद्राभिषेक, सहस्त्रचन आदि प्रकार के अनुष्ठान योग्य विद्वान शास्त्री द्वारा करवाया जाता है। जो व्यक्ति किसी प्रकार का अनुष्ठान कराने के इच्छुक हो वह दिन में प्रात: ११ से शाम ५ बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

ज्यो. दिव्या त्रिपाठी
यंत्र-मंत्र-तंत्र ज्योतिष शोध संस्थान
रामेश्वरम् १५१ ए. यशोदानगर,
कानपुर - २०८०११
मो.९४५१२२०३९२